मनसा सेवा - 33

➢➢ स्वदर्शन चक्र फिराना

➳ _ ➳ स्वयं की स्मृति

➳ _ ➳ स्वयं के स्वमानो की स्मृति

➳ _ ➳ स्वयं के श्रेष्ठ पार्ट की स्मृति

➳ _ ➳ स्वयं के घर का दर्शन

➳ _ ➳ स्वयं के लक्ष्य का दर्शन

➳ _ ➳ अपने 84 जन्मो का दर्शन

➳ ➳ स्वयं के 5 स्वरूपों का दर्शन

➳ _ ➳ अपने सर्व गुणों / विशेषताओं / महानतों का दर्शन

➳ _ ➳ कृषण का सुदर्शन चक्र

→ यह घूमता ही रहता है

→ जब चाहो इसका आह्वान कर सकते हो

→ असुरों का वध करना निश्चित है

- सभी असुरों को कृषण से इसलिए डर लगता है क्योंकि उसके पास सुदर्शन चक्र है

→ ब्रह्मास्त्र और सुदर्शन चक्र - यह दो सबसे ज्यादा घातक शस्त्र हैं

➢➢ स्वदर्शन चक्र कौन चला सकता है ?

➳ _ ➳ ज्ञान

→ आत्मा का, आत्म के घर का, गुणों का, स्वरूपों का ज्ञान

➳ _ ➳ निश्चय बुधी

➳ _ ➳ मन के मौन की धारण

→ साइलेंस का अनुभव

→ अंतर्मुखता

→ एकांत का अनुभव

→ दुनिया को देखने की आँख बंद

→ पवित्रता

➳ _ ➳ किसी के भी अवगुण चित पर न रखना

→ जैसे बाबा सभी के अवगुणों को भुला सभी को श्रेष्ठ नज़र से देखते हैं

➢➢ स्वर्शन चक्र से किसका गला कटता है ?

➳ _ ➳ माया

→ पांचो विकार

➳ _ ➳ पुराने संस्कार

➳ _ ➳ व्यर्थ

➳ _ ➳ देह अभिमान / अहंकार

➳ _ ➳ अवगुणों का

➳ _ ➳ कमजोरियों का

➳ _ ➳ कुकर्मों का

➢➢ स्वदर्शन चक्र निरन्तर बिना रुके कसे घुमता रहे ?

➳ _ ➳ स्वमान के अभ्यास से

➳ _ ➳ स्वयं से बार बार प्रशन पूछें :-

→ मैं कौन ?

→ मेरा कौन ?

→ मैं किसलिए ?

➳ _ ➳ See Father… Follow Father

➳ _ ➳ पुरुषार्थ के छोटे छोटे लक्ष्य बनाएं

→ हर हफ्ते का

→ हर दिन का

→ हर घंटे का